Article Date	Headline / Summary	Publication
03 March 2026	Why is it important to get health insurance for the unborn baby?	The Pioneer

गर्भस्थ शिशु का हेल्थ इंश्योरेंस करवाना जरूरी क्यों?

नई दिल्ली। माता-पिता बनना जीवन का सबसे सुखद अहसास है, लेकिन भारत में हर साल होने वाले लगभग 2.5 करोड़ गर्भधारण के आंकड़ों के बीच आर्थिक तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। वर्तमान में मेडिकल महंगाई 12-14 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जिससे प्रसव का खर्च लाखों में पहुँच सकता है। ऐसे में सामान्य मैटरनिटी कवर के साथ-साथ प्रसव पूर्व सुरक्षा यानी फीटल इंश्योरेंस का महत्व काफी बढ़ गया है। बजाज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ तपन सिंघल के अनुसार, पारंपरिक मैटरनिटी पॉलिसियाँ मुख्य रूप से प्रसव और उसके बाद के खर्चों को कवर करती हैं, लेकिन गर्भ में पल रहे शिशु की विशेष देखभाल के लिए फीटल फ्लोरिश जैसे उत्पाद एक

सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं। भारत में अब लगभग 17 प्रतिशत महिलाएं 35 वर्ष की आयु के बाद माँ बन रही हैं, जिससे गर्भावस्था में जटिलताओं का जोखिम बढ़ गया है। फीटल इंश्योरेंस न केवल सामान्य जांचों को कवर करता है, बल्कि यह गर्भ के भीतर होने वाली इन-यूट्रो प्रक्रियाओं और एडवांस्ड सर्जिकल उपचारों के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसमें शिशु को गर्भ में रक्त चढ़ाना, जुड़वां बच्चों से जुड़ी जटिलताओं का लेजर उपचार और हृदय या रीढ़ की हड्डी से जुड़ी जन्मजात समस्याओं का प्रसव से पहले ही इलाज शामिल है। अक्सर लोग प्रसव पूर्व देखभाल को मैटरनिटी कवर का ही हिस्सा मान लेते हैं, जबकि दोनों में बड़ा अंतर है। जहाँ मैटरनिटी कवर में आमतौर पर 2 साल की प्रतीक्षा अवधि होती है, वहीं फीटल फ्लोरिश जैसे प्रीनेटल कवर में यह केवल 9 महीने होती है। यह उन दंपतियों के लिए सबसे उपयुक्त है जो भविष्य की योजना बना रहे हैं। अंततः, सही समय पर लिया गया यह बीमा न केवल मां और बच्चे के स्वास्थ्य को सुरक्षित करता है, बल्कि परिवार को किसी भी आपातकालीन स्थिति में वित्तीय तनाव से मुक्त रखकर खुशियाँ मनाने का अवसर देता है।